



पहेलियाँ सबको पसंद आती हैं। पहेलियाँ समस्या या प्रश्न के स्वरूप में होती हैं। उन्हें समझना बड़ा रसप्रद होता है। पहेलियाँ हमारी विचार करने की शक्ति को बढ़ाती हैं और ज्ञान में वृद्धि भी करती हैं।

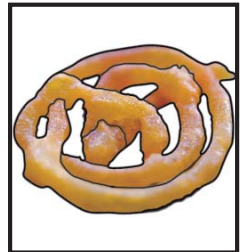
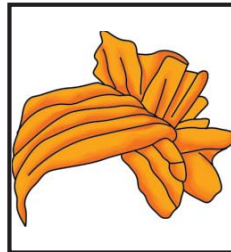
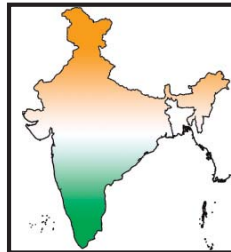
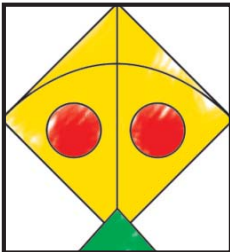
(1) गोल गोल घर है मेरा,  
हर कमरे में रस,  
ज्यों ही मुँह में रखोगे,  
हो जाओगे मस्त।

(2) धरती में मैं पैर छिपाता,  
आसमान में शीश उठाता,  
टिकता हूँ पर चल नहीं पाता,  
पैरों से हूँ भोजन खाता।

(3) तीन अक्षर का मेरा नाम,  
सिर के ऊपर मेरा स्थान,  
अंत कटे तो पग बन जाऊँ,  
मध्य कटे तो पड़ी रहूँ।

(4) पहाड़ है पर पत्थर नहीं,  
नदी है पर जल नहीं,  
शहर है पर जीव नहीं,  
जंगल है पर पेड़ नहीं।

(5) कागज़ का घोड़ा,  
धागे की लगाम,  
छोड़ दे धागा,  
तो करे सलाम।





## अभ्यास

## 1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

- (1) पेड़ हमें किस तरह मददरूप होते हैं ?
- (2) आपको खाने में कौन-सी मीठी चीजें पसंद हैं ?
- (3) पतंग के अलग-अलग नाम होते हैं, उनकी सूची बनाओ।



E9E9X1



## स्वाध्याय

## 1. पढ़कर समझिए :

- (1) धरती × आसमान
- (2) उठाता × गिराता
- (3) ऊपर × नीचे
- (4) शुरुआत × अंत
- (5) शहर × गाँव

## 2. उपर्युक्त शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

- उदाहरण : ● हम धरती पर रहते हैं।  
● हम आसमान में नहीं रहते हैं।

## 3. पढ़कर समझिए :

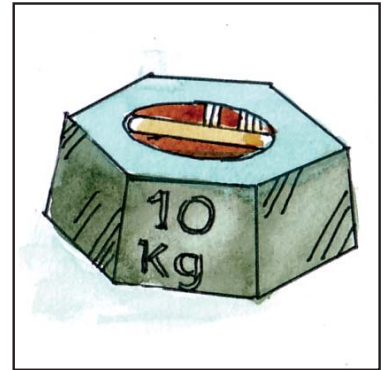
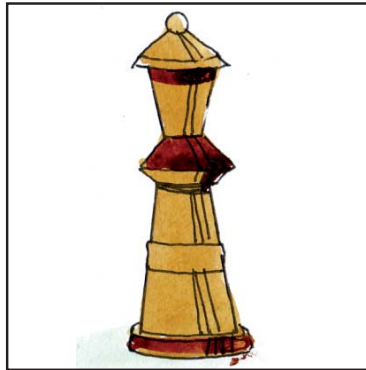
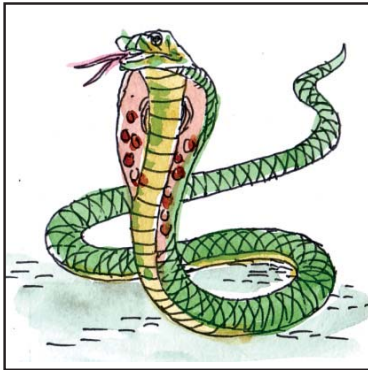
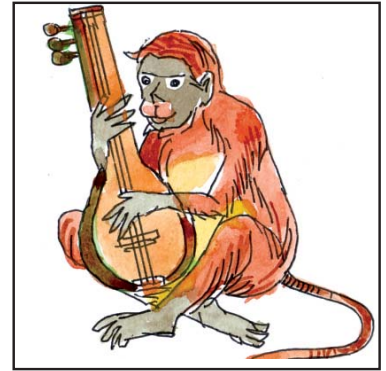
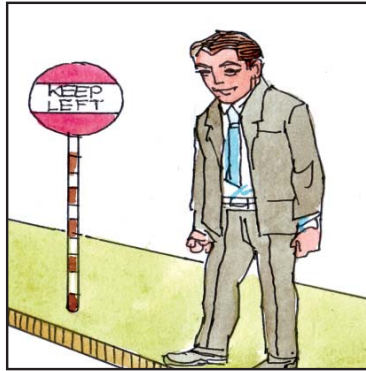
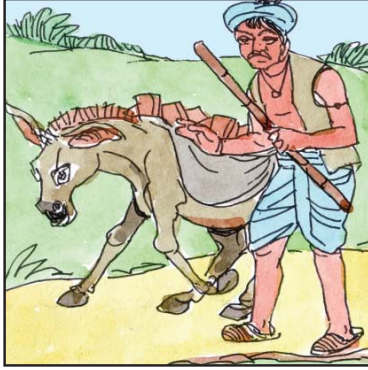
- (1) हररोज - हमेशा
- (2) पहाड़ - पर्वत
- (3) पेड़ - वृक्ष
- (4) धरती - पृथ्वी
- (5) शीश - मस्तक

## 4. उपर्युक्त शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

- उदाहरण : मैं हररोज दूध पीती हूँ।  
मैं हमेशा दूध पीती हूँ।



## 5. चित्र आधारित शब्दों की सूची बनाइए।



लिखो, क्या बातें कर रहे होंगे ये आपस में –

- गधा आदमी से
- चायवाला शेर से
- सुअर आपस में
- विक्रम बैताल से